



ASHA ARCHIVES

2620

ASHA ARCHIVES



कमलसदस्यप्रदाद्वलीशुभलवकात्रिभ्यस्तुष्टुवद्वानामगूहयतिरगव
त्रमत्तदवावशापृष्ठमगहनगवत्तवागतमद्वसग्याश्रवद्वाकाश्वदव
यदससवत्तगवात्रवकासुव
वंगुक्तगवाप्तुवदगूहयतिर
द्यदकाक्षस्यद्वत्तवाप्तुवत्तवाकवराणाचरुमावावतिथ्यागवंगुक्तमव
द्वागूहयतिरसावत्तगवत्तिरितगतवत्ताववनेयतिप्रत्तागतवत्तमत्तद

२

वशाकषत्तगवक्तुयुवावाकतद्विहावादविदाभूत्वाअदविदानवति
यावित्तुयुत्वाअयावित्तातवतिताअयावत्तगवाक्तुनत्रवमवदगूह
यात्तमत्तदवावशाकिमित्तंग
द्वसिाएवंगुक्तमवद्वागूहयति
त्तगवत्तविदाहमगतशवद्वयाथावद्वयुक्तावद्वद्विहत्कावद्वत्तयायविद्व
नसंयत्रद्वत्तद्वत्तगवन्धमययातितानद्विद्वत्ताअदविदानवत्त

नविदुःखमिहानुयादावाहसदाहानाहगंवाहानाहवसाहानाहस्यसाहानाहआह
त्याहाहनानाहयाहानाहविहयाहानाहअनहयाहानाहकामयाहानाहविहिव
याहानाहवसाहानाहवत्याहानाहवाहस्यदतिकाहानाहवताहानाह
सिंहानकाहानाहवाहानाहविद्याः
हाहानाहयाहानाहअहयाहानाह
हाहिववाहानाहवाहवदमुयाहानाहानविदुःखमिहानुयादावाहसदाहानाह
राहद्विहानाहवाहानाहवाहवदमुयाहानाहानविदुःखमिहानुयादावाहसदाहानाह

नोसुवसकलाभावनश्रवायनश्चनयश्चवयश्चनश्चदहश्चवश्चमश्चसवसः
पूराणाश्रयदहश्चयदहश्चाहानाहयववदहश्चयववदहश्चयववदहश्चयववदह
यकलयुवावाकलयदहिववाहग
प्रतिमावगताययवायाविनिताह
दहायययययविमयवगंमयकाशिलावतविष्णुतिरयकलयुनयवाकलय
इहववादीयमावमवादिताययवायदहमाययतिताययागसंतावा

यत्तद्विद्याति। अथ मां वचनं वा नाना मवावर्तते वा गतस्या इह दृष्टिं संशयं वदेत्। इह
 दृष्टिं वा युक्तं कृत्वा न मस्तुत्या आवर्तयेत्। अथ गच्छेत्। वा विचरन् वा नाहितस्य दवताः
 आवर्तयेत्। मनस्कृत्तुमुदिता इत्युति। शोभनस्य जनास्तदा मां गतवा न
 वृत्तिं यातयिष्यामि। यीत्या तवा गत
 धर्मयुक्त्या। यीत्या संययुक्त्या। यीत्या धर्मज्ञानकस्या सदा नाना ज्ञानमवतलन
 याया। ज्ञानमात्रगवत्तदा वदधवसा गवतिथ्या याततवा गताया दसं संशयं

बुद्ध्या ज्ञानमात्रगवत्तदा वदधवसा गवतिथ्या याततवा गताया दसं संशयं
 वतवा गताया दसं संशयं बुद्ध्या ज्ञानमात्रगवत्तदा वदधवसा गवतिथ्या याततवा गताया दसं संशयं
 त्यान्यथा ज्ञानमइह न कवत्यतवा गतस्या न आवदधवसा गवतिथ्या याततवा गताया दसं संशयं
 वस्य तवा गतस्या अगद्यगयाथः। त्यान्यथा ज्ञानमइह न कवत्यतवा गतस्या न आवदधवसा गवतिथ्या याततवा गताया दसं संशयं
 त्यइसा क्व गतिन्या। दानया ममिता यविपुत्र्या त्यान्यथा ज्ञानमइह न कवत्यतवा गतस्या न आवदधवसा गवतिथ्या याततवा गताया दसं संशयं
 माहावसि विनस्य वा विद्वन्नुत्तुया ववक क्व दववतवा कनक मुनि शिदा

मंकाय यद्यपु लो वया सा क सिं ह स्य वी म ले मे वी न स्य यति ह द्या ॥ स गृह्य वृत्त
 बाग ता ल म म ह्यु य दा इ स व स त्व दि सा वि द्या दा नि दु वा वि द् इ द्वा स ना ल्य व
 माय क ल्य इ ल म्मा व म्वा वा ना म
 त वा ग त ता वि त स्या व म ह्यु य दा इ
 प्रो ध न १ व न स्य द्वा क मा न अ क्त य का य वि त्ति ता द्वा द नि म न सि सा व नि का य
 १ का टा व व का टा म्मा त अ न त्रा य द्वा स व व त व म्मा ल का वा न व ला वि ध न द्वा म्

वृद्धिं का वि वि त्ति ता द्वा त्ति सं मा रु नि दु क ल्य का स का द्वा गा वा द्वा रु नि ॥ वृद्ध स्य य
 न त म य द्वा वि वृद्ध १ वृद्ध स त्वा व म स त्वा स य स त्वा स व वृद्ध वा वि स त स त्वा वा इ
 वि द्या या व स त्वा स व म्मा व क य इ
 स त्वा वृद्ध स त्वा ला क या व स त्वा
 ति मु क्ति व द्वा वृद्ध द्वा वि त्ति ला य वा ल क त प्र य व द्वा त म व क टा य द्वा वा रु ल
 द्वा न ल क क त न स व द्वा स गृह द्वा व व म्मा वि वि दि स द्वा ना मा वि य त्वा का

५

हा॥ ओं श्री विष्णु विष्णु साहा॥ ओं श्री विष्णु हृदय साहा॥ ओं श्री अंकुश साहा॥ ओं श्री मे
कुल साहा॥ ओं यत्न कुल साहा॥ ओं श्री अमाया कृष्ण हृदय साहा॥ ओं श्री आक
लि साहा॥ ओं श्री आवर्त नि साहा॥ ओं श्री निविम साहा॥ ओं श्री वृषभ सा
हा॥ ओं श्री वृषभ साहा॥ ओं श्री विवि
विवम साहा॥ ओं श्री तनुव साहा॥ ओं श्री तावत्तु मां रगवति वृषभाना मवा
गी मम सर्व सत्ता नाथ ओं श्री तगवति ओं सा वरुणा वरुण साहा॥ ओं श्री तगवती कम्

वनाना मवानली मनु मदान वान वरुण विष्णु साहा॥ ओं श्री वज्र २ साहा॥ ओं
श्री वज्र यम साहा॥ ओं श्री महा वज्र यम साहा॥ ओं श्री आवर्त नि साहा॥ ओं श्री व
वर्त नि साहा॥ ओं श्री ठाक २ साहा॥ ओं श्री एक २ साहा॥ ओं श्री ठाक २ सा
हा॥ ओं श्री ठाक २ साहा॥ ओं श्री ठा
ओं श्री यव वरुण साहा॥ ओं श्री तिष्ठा दनि साहा॥ ओं श्री वज्र वरुण सागवति यायि
न सागत मय मनु साव २ साहा॥ ओं सर्व तवा गत सत्य मनु साव २ साहा॥ ओं

श्रीवृद्धसत्त्वमनुस्मवश्वाहा॥ श्रीवृद्धसत्त्वमनुस्मवश्वाहा॥ श्रीवृद्धसत्त्वमनुस्मवश्वाहा॥
 सत्त्वमनुस्मवश्वाहा॥ श्रीवृद्धसत्त्वमनुस्मवश्वाहा॥ श्रीवृद्धसत्त्वमनुस्मवश्वाहा॥
 २२ गवतिवसुवाया अस्मि गृहका प्रकाशागायाणि द्वादनिधनवान्य
 सवायकवृत्ता नतवृत्ति स्वाहा॥ श्रीयविपुवदस्वाहा॥ श्रीमंगल
 स्वाहा॥ श्रीमंगलस्वाहा॥ श्रीमंगलमतिस्वाहा॥ श्रीमंगलमतिस्वाहा॥
 हा॥ श्रीनदमतिस्वाहा॥ श्रीनदमतिस्वाहा॥ श्रीयुविला मुत्तनय मुत्तन

मन्त्रातजश्वाहा॥ श्रीमन्त्रातजमतिमतिस्वाहा॥ श्रीमन्त्रातजमतिमतिस्वाहा॥
 हा॥ श्रीसर्वजनवसंकविस्वाहा॥ श्रीसर्वद्वनि कृतनिस्वाहा॥ श्रीसर्वद्व
 नुविनामनिद्वयस्वाहा॥ श्रीआ गच्छ गच्छ समस्तमनुस्मवश्वाहा॥
 श्रीआवावमनुस्मवश्वाहा॥ श्रीआवावमनुस्मवश्वाहा॥ श्री
 वृत्तिमनुस्मवश्वाहा॥ श्रीजन्ममनुस्मवश्वाहा॥ श्रीविजयमनुस्मवश्वाहा॥
 श्रीसर्वसत्त्वमनुस्मवश्वाहा॥ श्रीवसुधावश्वाहा॥ श्रीवसुधावश्वाहा॥ श्री

स्वाहा॥ जे श्री वद वला त स्वाहा॥ जे श्री वन दा त स्वाहा॥ जे श्री महा वन दा त स्वाहा॥
 जे श्री नदा द विन म इ स्वाहा॥ जे श्री युन दा द विन म इ स्वाहा॥ जे श्री तडा द वीन म इ स्वा
 हा॥ जे श्री मस्त दा द वीन म इ स्वाहा॥ जे श्री विवि कलु विन स्वाहा॥ जे श्री क
 ती माती से स्वाहा॥ जे श्री जंत ल मुत
 स्वाहा॥ जे श्री न म इ श्री जंत ल जुल दा त स्वाहा॥ जे श्री सर्व जंत ल जुल दा त स्वाहा॥
 जे श्री जंत व जल दा त स्वाहा॥ जे श्री कुकु म व या त ना ग वा जा द स्वाहा॥ जे श्री व मु व

म स्वाहा॥ जे श्री व मु व नि ली से स्वाहा॥ जे श्री है स्वाहा॥ जे श्री व मु व व जे द्वि य श्री
 का व वन का व वा का वि वे स्वाहा॥ जे श्री ल ला द वी द स्वाहा॥ जे श्री व ला द वी द स्वा
 हा॥ जे श्री व मु व वा द वी द स्वा
 जे श्री वन वा त स्वाहा॥ जे श्री वा नु व
 वा य ना मा त स्वाहा॥ जे श्री व ड म नि स्वाहा॥ जे श्री त ड म नि स्वाहा॥ जे श्री स व गु ल
 व नि स्वाहा॥ जे श्री व मु व वा त स्वाहा॥ जे श्री व मु स्वाहा॥ जे श्री व मु व वा स्वाहा॥ जे श्री

यवद्वातामगृहयति तगवताववनं यानिश्चनतगवत्रमनदवावशा डनृहीता
अवन्नगवन्निर्गवमवा नानामवावली पक्षकृतावावितावाविता यमवाहा इतम
दितामनसा मया विवित्रिता यवत्र
श्रिया मतिता यवतत्कलममराः
काप्रकाक्षागावा डनृता यववनं यवद्वातामगृहयति तगवत्रमनकसततद
अयदक्रिणीकृत्य तगवनया दक्षिण सादतिवादेवा तगवत्र इयन इयनववताः

यन्नगवता इति का तस्य गृहयका तद्वयुक् यवस गृहयति वत्तव यनिश्चाडा
दीशा यावयुग्य सववनवा वावततततस गृहयका वलीश्च का रका वागा
यागवयावयुग्या विवदद्वा वद
यीति सोमनस्य जनीय विष्कं न
ददत्ता वदन्नगवा तत्वा वमवा नानामवावली यका सताता सातदवयुता वद
निज्जवमवद्वातामगृहयति वदवत्याय सादनसमवागताय मध्वगुग्वा वद

वयसादवसमानविहीनान्नान्नित्यं अथवावत्तुगवानावयाने
 मानद्वयमामृतमस्यमागच्छमानद्वयमवद्वयगृहयन्वागावयसावयवियुद्ध
 सर्वधनधान्यमहाकायकाद्यागा राणा अवतवन्मायमानान्नद्वय
 गवतावचनंयुतिप्रत्ययानकोत्ता यामदानगमानवद्वयगृहयन्वा
 गावन्नायसंकाशायसंकाशात्तन्वतिस्थाडाहीशायवियुद्धसर्वयकन
 सर्वधनधान्यमहाकायकाद्यागावातिायवियुद्धाणिदद्याददददयआत्मान

२१

यमुदेनयति सोमनस्यजन्ताद्यनन्तगवांस्यनायसंकाशादयसंकाशाद्यमान
 नद्वाविस्मिनइयति सोमनस्यजन्ताद्यनन्तगवतयादोप्रवसाइतिवचनगवतक
 तदवावशाका नगवन्तद्वयक
 तिमहावनामहासागामहाका
 अवयुचनसमृद्धाजन्ताद्यनन्तगवानाद्वाद्याद्वानद्वयवद्वागृहयानइय
 मद्याद्वकलानासद्यावायिताद्याननवसुधावानामवावगायवतिताद्वद्वदी

तावावितावाविताययवासाअनुमादितायनन्यवावेसवणसंयुकाप्रतनर्तन
 विद्यानितायद्वज्जनदितायवद्वज्जनम्यतायलाकातुकयायेमहसाजनकायय
 वायादितायम्यतायदवानाश्रमन
 मुधावातामधानलिहन्गतायुम्
 दंनतविद्यानिोकजनवित्तवृक्षंवदनाताहमानदतंवमंसमन्वय्यामिासु
 दवकलाकसमावकप्रमणवाङ्मर्गाकातायडायासदवायवमान्वायाभहमा

२२

विद्यामनवाकविद्यानिअनिखाभेकलिवानेतत्पुनर्विद्यतानकस्यदसाअ
 सुद्याद्वतान्यानद्ववमुधावानामवावलीमवयदानितयेतानिहीराजप्रलमुलाइ
 नाप्रनियवमागामिद्यात्रिोकइयुनव
 यावयेयंत्रिोवावम्यत्रियायद्यावा
 तालाभतवाकंसवतवागनेविद्यंताथिनाथाविलोअविद्यिनाममुदयामुदिताह
 यकासिताअनुमादितायनावितायमंसासंवाप्तिनाविहताडवानीहतायासा

विना आत्मा तादविदनां सत्तातां आ विद्या विद्युडितानां सवंपुष्टमवतनया यदुना
नां मवायादिताय मवाय संताग यविता गा म ह मा य वेता आ न द आ द न द
ता म न ग व त्रि दं व म वा वा ता म वा व ली धा वि ता वा वि ता य य वा धा म न
सा म य वि वि त्रि ता व सा ध त्त ग व त्रि ति अ वा व न्ना द्य आ ना न द्वा द्वा म
ना त स्या व ता द्वा लु मा गा धा अ ता य न द्वा अ वि त्रि ता द्वा स मृ ह द्य स दा अ न क व
त म स मृ ह का य ना आ यु व नं अ सि न् मृ ह द्य म यु ल न मा सु त द्वा व न्ना वि ली

२३

सदा अ वि त्रि ता गा ग वा न् वृ ह द्वा य वि त्रि ता अ वि त्रि ता ति यु स न्ना नां व था क
श्वा य वि त्रि ता सा म्ना ज न द स व क्क द म वा ज य वं य वा या व गा मि य लं या द्वा वृ ह
वा व न मा सु ता अ वा व न्ना त्त ग वा ता न द्वा मं व म य द्वा त्त ग व ता ति
का उ म्ना द्वा द्वा उ द्वा द्वा आ त्त म न इ य म्दि त्त इ य ति सो म न स्या ज ता
त्त ग व त्त म न द्वा व शो का ता मा यं त्त ग व त्त म य द्वा त्त इ क वं त्त ग व द्वा व द्वा म्ना त्त
म य द्वा यो त्त ग वा ना द्वा म्ना द्वा द्वा त्त इ य वि य द्वा ति आ ग द्वा व द्वा स व द्वा त्त

नीमादिणीचपुसवविसर्ववभावगा॥कुलात्तजाप्रतीचोडीकोवावीविष्टप्रयित्वा
वीद्ययावमिताद्वीजगदानद्वत्ताचनी॥तायनीडयत्रयीक्यादिसिद्धिववय
आदानयुत्तमस्ततागायजिनादि
गाभानानणीशुनाकात्रियायमना
नीयस्रवावीवयद्रमासनमायनी॥सुहृद्वयीमदाशुद्धमवर्णयताकवीविद्या
आराधनीद्वीयद्रुयुक्तवाविलीनिधानकूनमात्रुहीधनागाववनयिमादि

बाहुकमहाआदीविद्यानपराप्रविणी॥मातृवीमवदानांनत्तवाहसुवद्ववी॥सुन
साताविनीद्वीतावनावविवर्जनी॥हेमयकीविनतावदीयनी॥कृतसुदिनी॥तिहनी
सर्वमागाणांसुययातावकासली
याप्रिनी॥सुवृत्तिविश्रालादीचवुव
वृद्धीणीधर्मधाविली॥कमवाहवीविद्याविष्टदलानमपुली॥वाधनिसर्वमावाह
णावाहमकृतसववी॥वाताविमुक्तिमयत्रीअहमहयनावनी॥सुवावसावनी

विष्णुमहायनिवावालां तद्वत्तयुत्तं तद्भवत्वा च द्वाया द्वाया माता यत्तयु
वैष्णवमहावा सकयसत्तवा श्रीनाम नत्तवैष्णव नयात्तया द्वाया द्वाया
नजविवाजयवमद्वयययमह तद्वा नक श्री श्री जयमहदुम
नद्वययवृत्तलसाविजयवा द्वाया द्वाया नयति श्री कात्रियुलीम २१
द्वानगव श्री गाङ्गुल गय द्वाया श्री श्री जयमहद्वया वत्ता किन द्वाया नक
लहालक यवृत्त गृहा विवा सित दान यति कात्र कालजका सहेत यत्ता द्वा

5



